डॉ० डोमन साहु समीराक् जीवेन कहनी आर सॉवहेत चेतान चेत लेखान काथा हुयाड़ ताहेंकाना ?

संताली सॉवहेत् रेन गुमान होड़ दो डा० डोमनसाहु समीर । डॉ० तिरह बिद्यासागर कानाय । नुमाक् रिकिड़ कुदमुड़ ते संताली सॉवहेत् दो आड़ी गे आहाँगित आकाना । डॉ० डोमन साहु समीर दो गोड्डा जिला रेयाक् पन्दहा आतु रे 30 जून 1925 साले रे नोवा धुरी धरती रे जानाम लेनाय । नोवा दो बिहार राज्य रेयाक् संताल परगना कमिशनर तारी रे पाडाक् काना । होड़ आतु रे जानाम लेन ते काटिच् खोन गे होड़ रोड़ दोय हारावाकाना । आयो दो फिरनी देवी आर बाबा दो धोपाल साहु ताहें काना । हुडिञ खोन गे ओमके दो ... ... गिरमी होड़े ताहें काना

समीर " ओमके दो 1935 साले रे प्रुथम स्कूल दोय चालाव लेना । ओमके दो लखमी खोन आर पथरा स्कूल खोन मैट्रिक रेयाक् बिडाव दोय पास आकादा । नोडका को मेना जे पुरा संताल परगाना रे आज गे जोतो खोन चेतान रे ताहेंकाना । नोंडे खोन गे डोमन साहु दो संताली सानाम काते पाडहाव र सहोब केदा । संताली पारसी हुदी काते काते गे साहु दो मैट्रिक बिनिड 1947 साले रे गोड्डा हाई स्कूल खोन माडाङ थाप ते पास केदाय । ओना तायोम I.A पाड़हाव लागित् भागलपुर रेनाक् तेजबहादुर जूबली कॉलेज रे भुर्ति एनाय ।

मेनखान १९५२ ईं० रेयाक् दिसोम ओड़ाबानाक् ओहा मैसा ते पाड़हान दोस बागीकेत् ते ओड़ाक् ए हेच् एना। मेनखान आजः बोबा समीर ओमके चासी काःमी रे चुराव कादेयाय।बार सेरमा तायोम जुलाई १९५५ रे किरानी रेयाक् सोरकारी काःमी रे बोलोयेनाय। ओना काःमी रे मित् सेरमा ताला दो पाकुड़ रे आर मित् सेरमा ताला दो दुमका रेय तांहेकाना।

समीर ओमके दो सोरकारी चकरी रे तांहेकान जोखोन ञे बिहार सोरकार खोन संताली ते मित् खोबोर कागोच् छापा सोफोर ओयोच रेयाक् ओर केदाय ओना रेन सासापड़ाविच्याक् हुदा रे काःमी ओहित 'समीर' ओमके ञेको बाहाव केदेया। उनी दो किरानी रेयाक् काःमीच बागीयात ते संताली खोबोर कागोच् रेन सापड़ाविच काःमी ञे एहोप केदाय। नोड.काते समीर ओमके दो रोड़ तेयाक् पाहिल आर सोबोर कागोच – "होड़ सोम्बाद" रेन सासापड़ाविच् ए हुयेना। उनी दो १९४७ ईं० रेयाक् जुन चाँदो खोन १९८३ साले रेयाक् चाँदो हाबिच् देवघर रे तांहेकाते होड़ सोम्बाद

3

रेयाक् कामीय सामबड़ाव केदाय ।

सोरकाराक् कामी रे तांहेंकान रे गी कुय दो हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग खोन 'विशारद' आर भागलपुर विश्वविद्यालय खोन दो (ऑनर्स), M.A आर B.L बिड़ाव दो प्राइवेट ते पास केदाय । नोवा को छाड़ा कातें इं०लिट० रेयाक् डिग्री हों याम केदा । विक्रमशीला विद्यापीठ, गांधीनगर (भागलपुर) दो 'समीर' जी 'विद्यासागर' रेयाक् डिग्री येय कम झाकावादेया ।

डोमन साहु 'समीर' दो मैट्रिक रे पाड़हाव ओकतो खोन गे ओनोल, ओनोड़हें काहनी एमान ओल ए एहोब केदा । नुय गोमके दो संवाद सुमुड़ दो बाड़-आ हिन्दी बांग्ला, भोजपुरी, मैथली, खोरठा एमान पारसी तेहों आयमा काहनी, ओनोल ओनड़हें ओल झाकादाय, आजाक् सापड़ाव रेनाक् 36 सेरमा रे होड़ सोमबाद पत्रिका रे 709 ओनोड़हें, 1034 ओनोल, 536 काहनी, 81 रिपोर्ट, 3 स्केच आर 7 गामाम उद्धान लेना । नोवा ओनोल रे 51 होड़ गान ओनोलिया! कोवाक् एनेम ताहेंकाना । डॉ. डोमन साहु समीराक ओल पुथी को ।

1) गिद्रा को रासका पुथी-1951 2) सेदाय आते-1953
3) महात्मा गाँधी — 1952 4) आकिल मासार - 1955
5) अखड़ा उमुल - 1955 6) संताली साहित्य — 1956
7) फुंड़ गादारे — 1959 8) कुल पुरा — 1959

Scanned by CamScanner

9) आकिल हेर — 1984 (10) पारसी नाम – 1988, 1990 आर 1987

11) सेताक — 1938 (12) मानाह – 1987

13) सेनाली प्रवेशिका – (14) दिशोम बाबा – 1953

15) संताली भाषा और साहित्य – 1990

16) हिन्दी संताली शब्दकोश – 1993

17) हिन्दी आर संताली : तुलनात्मक अध्ययन – 1998

नोवा को हाड़ा काते हिन्दी ते हों आयमा पुथी कोम ओल सोदोर आकादा। आड़ीगान धमाल पुथी को ओल खातिर उनी दो आयमा मान तेको सरहाव आकातदेया। सॉवहेत सिरपा सांव - सांव ते, आदिवासी कम्पीटिशन क्रीयेशन कमल खोन 'पुरस्कार', संताली सॉवहेत परिषद, कोडलबोल चांचो होते ते 'गुरु गोमके', रांची कमल डेबार खोन हों मान सालाम, भारतीय संताली साहित्य परिषद देवघर होते ते मान सालाम अखिल भारतीय भोजपुरी भाषा परिषद होते ते मान, देवघर जीला सांस्कृतिक परिषद देवघर होते ते मान सिरपा, बिहार सोरकारी राजभाषा विभाग, पटना खोन मान सरहाव, भाषा संगमम दुमका खोन मान सिरपा! , बिरसा मेमोरियल सोसाइटी जामशेदपुर होते ते मान सारहाव, भारोत जाकात संताड़ी ओनोलिया गौंता होते ते

मान सरहाव, केन्द्रिय साहित्य एकादमी नई दिल्ली होते ते 'भाषा सम्मान' ते को मान सरहाव लादेसा ।

डॉ० डोमन साहु "समीर" जी दो भावावेन 6 अप्रैल 2005 रे नोवा दुड़ी धरती पुरी एलोन आयजुग लागित ए वागीयात बोना आर खानाम को केना आयजुग लागित बिदाय ए हातान केते धा मेनखान आवाक कामी दो मित हो जीयाड़ आर तेरे ए मेनाक्-आ ओना दो तिस हो बाङ मोसो छेक-आ।